मक्का की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म – विगर–007

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	मक्का की खेती के लिए गर्म वातावरण और अच्छी धूप की आवश्कता होती है। पौंधे की बड़वार के समय तपमान 25–30 डिग्री सेल्सिल्स उपयुक्त होता है।
2	मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ बलुई और दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। PH मान 5.8 से 7.0 के बीच होना चाहिए।
3	खेती की तैयारी	2–3 बार गहरी जुताई (हल या कल्टीवेटर) से करें और पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी और खेत को समतल कर लें। अंतिम जुताई के समय गोबर की सडी हुई खाद 4–6 टन प्रति एकड़ मिलाऐं।
4	बीज दर प्रति एकड़	7–8 kg प्रति एकड़
5	वुवाई का समय	खरीफ में 15 जून से 15 जुलाई तक रबी में 15 अक्टूबर से 15 नवम्वर तक
6	पौधे से पौधे की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
7	कतार से कतार की दूरी	60 से 75 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक	NPK की मात्रा मिट्टी परीक्षण के आधार पर तय करें। समान्यता प्रति एकड़ नाइट्रोजन फास्फोरस और पोटाश की सही मात्रा दें। बुवाई के समय फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा दें और नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा दें एवं शेष दो भाग वुवाई के 20–25 दिन बाद एवं 40–45 दिन बाद खड़ी फसल में दें।
9	सिंचाई	आवश्कता अनुसार सिंचाई करें विशेष रुप से मंजरी और बाली निकलते समय पानी की कमी न होने दें।
10	खरपतवार नियंत्रण	वुवाई के तुरंत बाद (अंकुरण से पहले) एट्राजीन या एलाक्लोर जैसे खरपतवार नाशक का छिड़काव करे।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	किसान भाई अपने नजदीकी कृषि अधिकारी या कृषि सलाहकार से सलाह लें। उनको खेत में रोग को दिखाकर सही कीट नाशक एवं फफूंद नाशक का छिड़काव करें।
12	फसन पकने की अवधि	100–105 दिन में फसल तैयार हो जाती है।
13	कटाई	जब मक्के के दाने कठोर हो जाऐं और नमी 15–20% के आसपास हो तो फसल काट लें।
14	कटाई के बाद भंडारण	मक्के के दानों को अच्छी तरह सुखाकर 11–12% नमी हो जाने पर सुरक्षित भंडारण करें।

विगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड

ग्राम- तराना, तहसील सांवेर,जिला इन्दौर (म.प्र.)